

Date - 07/02/24 Asst. Professor

Philosophy, Dr. RAJIV RANJAN PANDEY

CBCS Sem I MJC - तर्कशास्त्र व्याप्त

MJC class - तर्कशास्त्र अध्यापन

tutorial class - परीक्षा

TDCG - हेतु प्रकार, शब्द

tutorial class - objectives solve,

हेतु

1. स्वयमिच्छा → हेतु कभी साध्य के साथ तब कभी साध्य के अनुपस्थिति में भी रहता है, हेतु साध्य के साथ ऐकान्तिक रूप से सम्बन्ध न हो।

Ex → सभी द्विपद बुद्धिमान होते हैं / हंस द्विपद है / ∴ हंस बुद्धिमान है।

प्रकार

A. साधारण स्वयमिच्छा → हेतु अत्यंत व्यापक हो, जो पक्ष विपक्ष एवं सभी दृष्टान्तों में अस्थिर रहता है।

Ex → पर्वत पर भाग है, क्योंकि वह ज्ञेय है। → ज्ञेय सर्वव्यापक

B. असाधारण स्वयमिच्छा → हेतु अत्यंत संकीर्ण, केवल में पक्ष में

Ex → शब्द निरूप्य है क्योंकि उसमें शब्दत्व है → शब्दत्व केवल आकाश में

C. अनुसंधारी → पक्ष सर्वग्राही, पक्ष में उस जाति के सभी वस्तुओं का सम्मेलन होने के कारण वह किसी अन्य दृष्टान्त में उपस्थित नहीं रहता।

Ex → सभी वस्तुओं का अन्त होता है, क्योंकि वे उत्पन्न हैं। - Ex - अन्त

2. विशद

3. अतःप्रतिपक्ष → जिस अनुमान के हेतु दोष का किसी अन्य अनुमान द्वारा दिखाना संभव है।

Ex → शब्द निरूप्य है, क्योंकि अवश्य पदार्थ हित है।

शब्द अनित्य है, क्योंकि वे उत्पन्न हैं।

4. अक्षिप्त → हेतु वास्तविक न हो

A. आश्रयाक्षिप्त या पक्षक्षिप्त → पक्ष काल्पनिक

Ex → आकाशकुसुम संगठित होता है, क्योंकि यह एक कुसुम है, यथाकुसुम

B. स्वरूपाक्षिप्त हेतु → इसमें आश्रय या पक्ष सत होता है।

Ex → शब्द निरूप्य है, क्योंकि यह व्यापक है। Ex → रूप

C. व्यापकताक्षिप्त → हेतु का साध्य के कारण व्यापक सम्बन्ध अस्मादिक है।

Ex - शब्द दालिक है क्योंकि यह सत है, जो सत है, वह दालिक है - Ex - गोलाकार

5. व्यापक → यदि किसी अनुमान के दोष का अन्य प्रमाण द्वारा दिखाना संभव है तो ऐसे अनुमान के दोष का व्यापक कहते हैं।

Ex → अग्नि शीतल है क्योंकि वह द्रव्य है।

अभाव

अभाव के 2 प्रकार → 1. संसर्गाभाव 2. असंसर्गाभाव

A. संसर्गाभाव → 1. प्रागभाव → घट के उत्पत्ति के पूर्व घट का अभाव

2. प्रवृत्ताभाव → किसी घट के टूट जाने पर उसके टुकड़ों में घट का अभाव

3. अत्यन्ताभाव → दो वस्तुओं के सम्बन्ध में त्रैकालिक अभाव

Ex → वायु में रूप का अभाव → अनादि, अनन्त

B. असंसर्गाभाव असंसर्गाभाव → दो वस्तुओं में विनिर्गत

→ दो या अधिक वस्तुओं में एक का दूसरे में गति

Ex → घट में पदमा अभाव → अनादि अनन्त

Follow-

January 2015

Tuesday

06

AU-V

B-AV

 $\beta - v$
$$u - Av$$

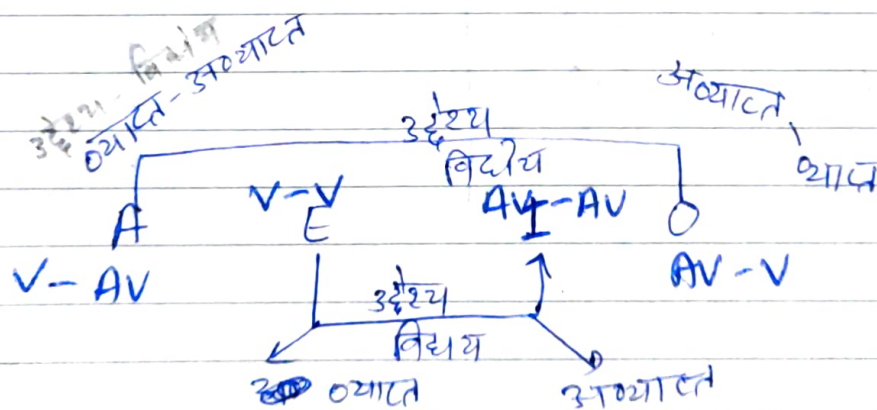
उद्देश्य ०२।५ $u - AV$ ←

<p>A</p> <p>सभी S, P हैं। \odot^P</p>	<p>E</p> <p>कोई S, P नहीं हैं। \odot^P</p>
<p>I</p> <p>कुछ S, P हैं। \odot^P</p>	<p>O</p> <p>कुछ S, P नहीं हैं। \odot^P</p>

विद्योय पद अव्याप्त

उद्देश्य पद अव्याप्त

विद्योय पद अव्याप्त



अव्याप्त - यदि किसी पद में कुछ अंश के विषय में चर्चा न किया जाय तो वह अव्याप्त है।